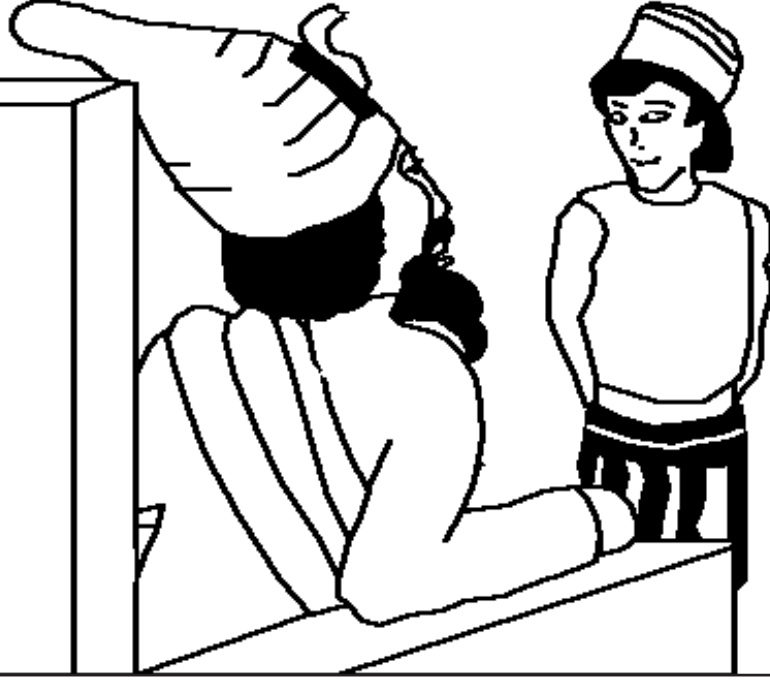


लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति प्रस्तुतकर्ता

दास
यूसुफ क
परमेश्वर
द्वारा
सम्मान



लेखक: Edward Hughes

ब्याख्याकर: M. Maillot; Lazarus

अनुवादक: सुरेश मसीह

अनुकूलित: M. Maillot; Sarah S.

कहानी 8 से 60

www.M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada

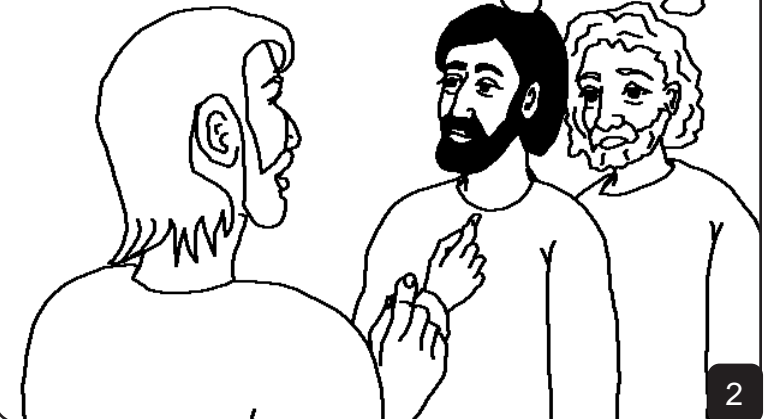
अनुज्ञापत्र: आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

यूसुफ गलत तरीका से अपनी पहिला मालिक, पोतीपर द्वारा जेल में डाल दिहल रहलन। जेल में यूसुफ आज्ञाकारी अउर मददगार रहलन। वार्डन, जेल के जन जीवन के व्यवस्थित करे खातिर यूसुफ पर भरोसा कइलन। परमेश्वर यूसुफ की संगे रहलन, इही से जेल सबकी खातिर एगो बेहतर जगह बन गोइल।



राजा क पिलावनहारा अउर पकावनहारा जेल में रहलन। यूसुफ एक दिन उनसे पूछलन, "तू लोग एतना उदास काहे बाइअ जा?"



परेशान दूनो लोग जवाब दिहलन,
"केह भी हमनी की सपनन क भेद
नेइखे समझा पावत।" यूसुफ कहलन,
"परमेश्वर बता सकत बाड़न!" तू हमके
आपन सपना
बताव।



3

यूसुफ पिलावनहारा से कहलन,
"तोहरी सपना क मतलब इ भइल
कि तू तीन दिन में वापस राजा

फिरौन की पक्ष
में हो जइ बा।"
"तब तू याद
करिहअ अउर
हमके इहाँ से
निकाले खातिर
फिरौन से
निवेदन
करि हआ।"



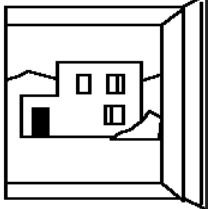
4

पकावनहारा की सपना की मतलब
में खराब खबर रहल। यूसुफ
कहलन, "तू तीन दिन में मार
दिहल जइबअ।"
दूनो सपना
सच हो गईल।



5

लेकिन पिलावनहारा यूसुफ की बारे में तबतक
भूलाइल रहलें, जबतक कि फिरौन बड़ा परेशानी
भरल एक दिन नींद से जगलन।
उ चीखलन, "हम
एगो सपना
देखनी हआ।"



उनकी
पण्डितन में से
कवनो उनकरी सपना क
मतलब समझा ना पवलन
सअ। फिर पिलावनहारा जेल में
की यूसुफ के याद कइलन। उ,
उनकरी बारे में फिरौन
के बतवलन।

6

फिरौन तुरंत यूसुफ के बुलवल्लें। यूसुफ
राजा के बतवलन कि "आपकअ सपना परमेश्वर
की ओर से एगो संदेश जइसन बा।" "मिस्र क
सात साल बहुत फलदाई होई, अउर सात साल की
खातिर भयंकर आकाल पड़ी।"



7

यूसुफ फिरौन के सलाह दिहलन
कि "अब तू सात बढ़ियाँ वर्ष की
दौरान खाद्य भंडार के भरे खातिर के
योजना बनावअ" नाहीं त तोहार
लोग आकाल में भूख
की मौत मरिहन।
"परमेश्वर तोहरी
साथे बाड़न,"
फिरौन घोषणा
कइलन। "अबसे
मिस्र क बागडोर
तू सम्हरबअ"
अबसे हमरी
बाद तू ही रहबअ।



8

सात साल की बढ़ियाँ (फलदाई) वर्ष आ इल। फिर सात वर्ष आकाल क। मिस्र के छोड़ के हर जगह अन्न दुर्लभ रहल; काँहे कि उ लोग बड़ा समझदारी से पर्याप्त खादय जमा कइले रहलन।

यूसुफ कौ दूर अपनी देश में, याकूब क परिवार भूख से मरत रहल।



9

सब देशन क लोग अनाज खरीदे की खातिर मिस्र देश आवत रहलें। याकूब, अपनी लइकन के आज्ञा दीहलन

"तू लोगन के भी जाये के चाहीं"

नाही त हम ईहाँ भूखे मर जाईब। मिस्र में पहुँचते ही, लइका लोग भोजन खरीदे खातिर तैयारी कइलें।



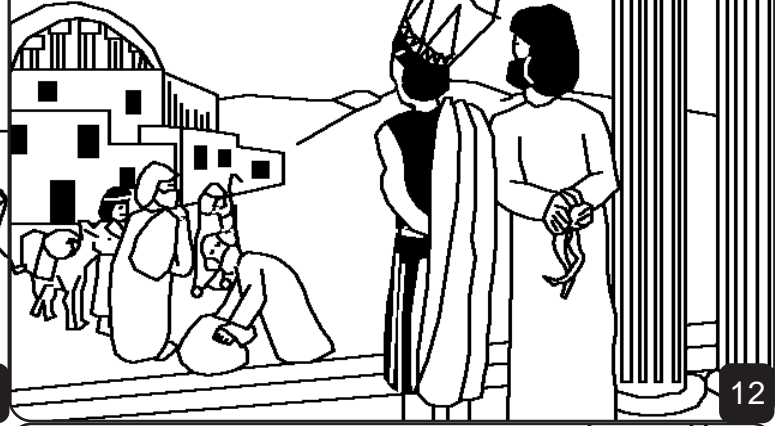
10

याकूब के बेटा लोग मिस्र की उत्तरदायी व्यक्ति की सामने अपनी माथा के झुकवलन। उ अपनी भाई यूसुफ के ना पहचान पवलें। लेकिन यूसुफ उन सब के पहचान लिहलन। यूसुफ अपनी बचपन की सपना के याद कइलन। परमेश्वर उन के अपनी भाई लोगन की ऊपर ढहरवने।



11

यूसुफ बहुत बुद्धिमान रहलन। उ उनसे अशिष्टता पूर्वक बात कइलन अउर अपनी भाई शिमोन के बंधक बना के अपनी पास रख लिहलन।



12

उ सबके आदेश दिहलन "भोजन ले ल जा, घर वापस लौट जा जा अउर अपनी छोटका भाई के साथ में वापस ले के अईहअ जा"

"तब हम बिस्वास करब कि तू सब भेदिहा ना हउवअ जा।"



13

भाई लोग सोचलें कि बहुत साल पहिले यूसुफ के एगो दास की रूप में बेचला की कारण परमेश्वर अब उन्हन लोगन के दंडित करत तअ ना रहलन।



14

याकूब अउर ओकर लइका सब उलझन में रहलें। "हमनी क पइसा अनाज में वापस लौटा दिहल गइल बा। अउर शासक चाहत बाड़ें कि हमनी क बेंजामिन के उनकरी पास ले जाईल जा।" याकूब, बेंजामिन के जाये ना दिहन। पर जल्दी ही भोजन खतम हो गईल। भाई लोगन के वापस मिस्र जाये के पड़ी। इ बारी बेंजामिन भी उनकी संगे गइलन।



15

यूसुफ, बिन्यामीन के देख के, अपनी सेवकन के एगो बड़ दावत क तैयारी करे की खातिर आदेश दिहलन। सब भाइयन के आमंत्रित कइल गइल। यूसुफ पुछलें "का तोहन लोग क बाबूजी जिन्दा बाड़न?" शायद उ ई सोचत रहलन कि पूरा परिवार के एक संगे कइसे लीयावल जा सके ला।



16

यूसुफ इहो जानल चाहत रहलन कि उनकर भाई लोग कई बरीस पहिले कइल अपनी पापन की खातिर वास्तव में खेदित रहलें कि नाही।



17

भोज की बाद उ उनपर चोरी क आरोप लगवलन।

यूसुफ कहलन, "तोहन लोगन के सजा देवे खातिर बेंजामिन के अपनी दास की रूप में रखब" यहूदा विनती कइलन "हे हमार प्रभु, बजाय ओकरी तू हमार जान ले लआ।"



18

यूसुफ के पता हो गईल कि जेवन यहूदा यूसुफ के बेचला क सुझाव दिहले रहलन, अब सच में बदल गइल रहलन।



जब यूसुफ अपनी परिवार की खातिर अपनी प्यार के छिपा ना पवलन, तब सब मिस्रवासियन के बाहर भेज दिहलन अउर

फिर उ रोवे लगलन।

19



"हम तोहन लोगन क भाई यूसुफ हअइं; जेके तोहन लोग मिस्रियन की हाँथ में बेच देले रहलअ लोग।" "हैरानी अउर डर की

मारे, भाई लोग कुछउ ना कहलें।"

20



यूसुफ अपनी
भाई लोगन
के प्रोत्साहित
कइलन।

21



"परमेश्वर हमके मिस्र में अधिकारी
बना दिहलन ताकि

हम ए अकाल में
तोहन लोगन की जीवन
क रक्षा कर सकीं।

22



जा जा, हमरी बाबू जी के
हमरी पास लीआवअजा।

अब हम तोहन लोग
क देख भाल करअब।"

23



याकूब अउर यूसुफ
मिस्र में फिर सँ एक
दूसरा से मिल पवलें अउर
पूरा परिवार शांति अउर
भरपूरी में उहाँ रहल।

24

दास यूसुफ क परमेश्वर द्वारा सम्मान

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पत्ति 39-45

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा
जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा
यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के
पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक
गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ
बात कही : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी
खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ
। हमरा जीवन मे आ जाई अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि
हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह
सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह
रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !